



भाग 2



www.ummeedclasses.com



9269100222
Ummeed Classes

यदि क्रिया का सिंग, वचन कर्म के अनुसार व्यक्त में कर्म वाच्य का प्रयोग किया जागह) उदा) माला के छारा श्वाना विवापाया गया। कर्ता (येटी विवापार्थ गई) कर्मवीय





उदा > दादी के द्वारा बच्चों के कहानी सुनाई जातीहै। (कर्मवाच्य)

उदा अध्यापक के हारा बच्चों का पाह पहाया जाया)





कर्मवाच्य परचानन के नियम ३-

- (1) कर्ती के लिंग, वचन वदसने पर क्रिया न वदली
- (2) किया सक्मिक किया
- (4) अभिकाशिक वाक्य





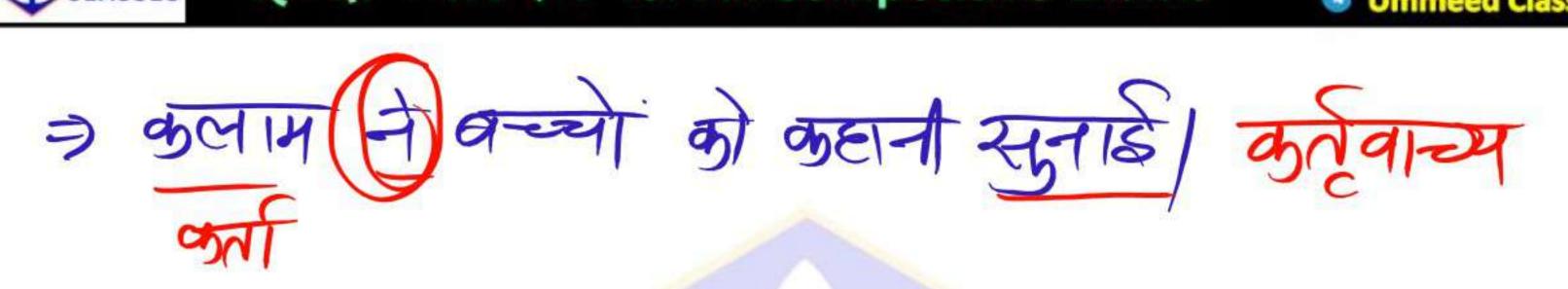
न वालकों को शिक्षा दी जाए। (आर्गार्थक) अर्मवान्य

» गरीवों की मदद की जाए (आजार्था) -कर्मवान्य

अग्री के कारा दुध दिया जाग है। (अकर्म)





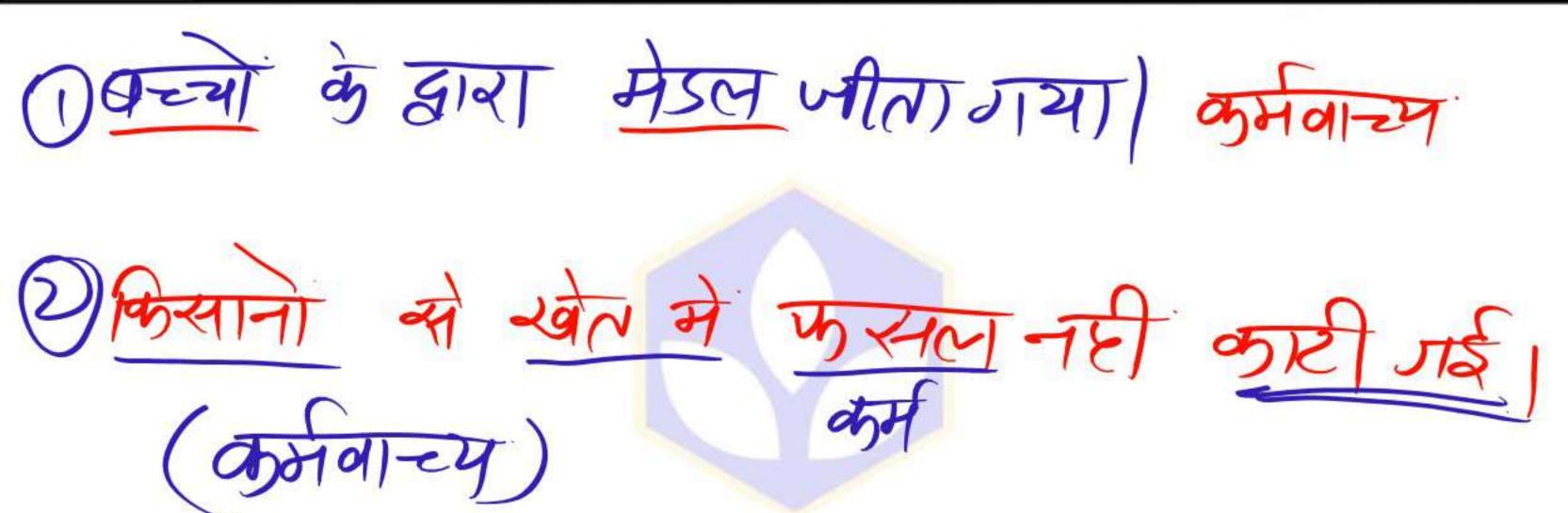


ने कलाम बच्चों को कहानी सुनात थे। (कर्वाच्य)

ने कलाम से बच्चों के कहानी नहीं सुनाई गई।







UMMEED





व्यदि वाक्य में किया कर्ला व कर्म दीनों के लिंग वन्पन वदलने पर किया न वदले हो किया न कदल की के अधनार







2) वच्चो से खेला नही ज्या। सकर्मक अपत्परा (कर्मवाच्य)

(अकर्भ)



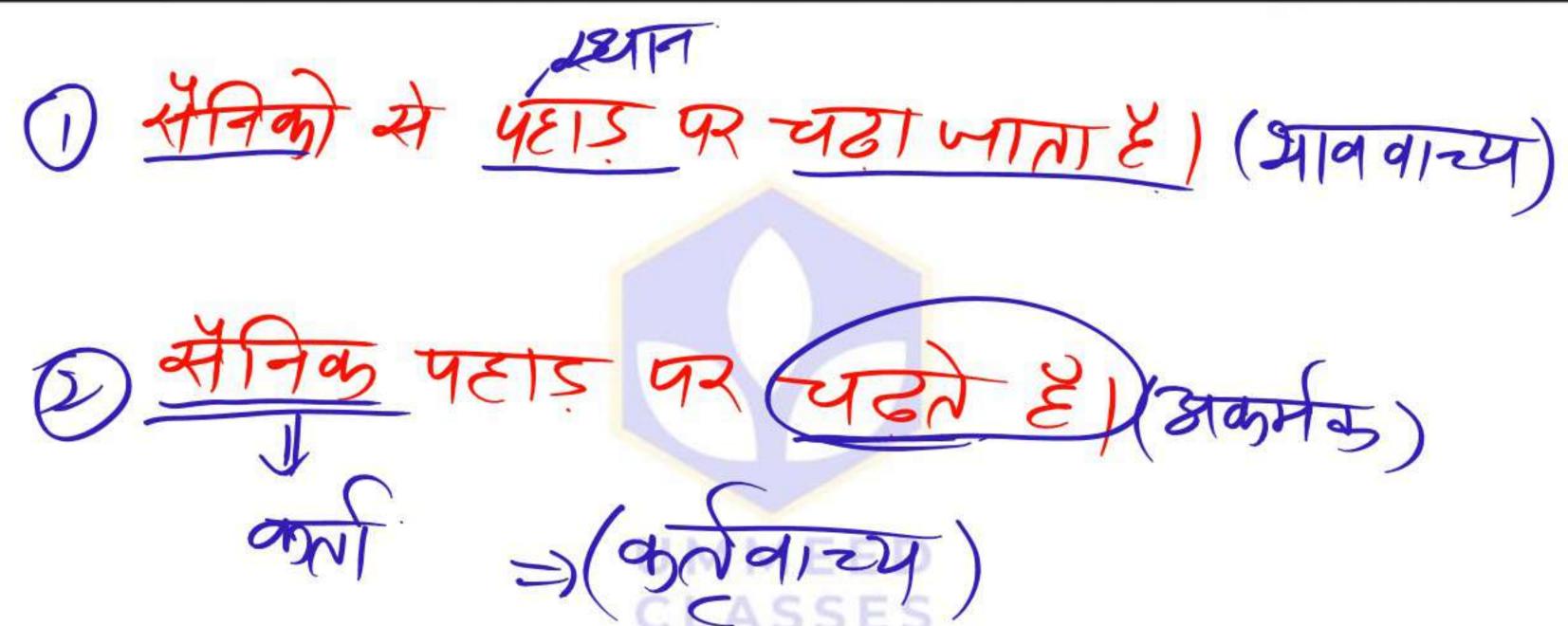




2) चोट के कारण धायम से चलानहीं जाता। अकर्मक डिया > आववाच्य (3) सीता से खाना नहीं बनता। (कर्मवाच्य)

























Thanks for Watching!



LIKE, COMMENT AND SHARE



HINDI + ENGLISH

BATCH

ADMISSION OPEN सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए







© © 9269100222

